गुरुदेव को मिली डॉक्टर ऑफ ह्यूमेनिटी की उपाधि

अम्बाला | उद्योगपति एवं समाजसेवी गुरुदेव दत्त छिब्बर ने कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में पहुंची कोविड जीवन रक्षक दवाइयों की आपूर्ति कर कई बहुमूल्य जिंदगियों को बचाकर मानवता की सेवा की। उनके इस योगदान के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी ने बौद्ध लोक मावटा कोलंबो में उन्हें डॉक्टर ऑफ ह्यूमेनिटी की उपाधि से सम्मानित किया। छिब्बर ने कहा कि वह विश्व में मानवता की सेवा के अपने मिशन को जारी रखेंगे। ये जानकारी गुरुदेव दत्त छिब्बर ने रविवार को पत्रकारवार्ता में दी। फार्मा कंपनी मैक्लीन एंड आर्मस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के संस्थापक एवं चेयरमैन छिब्बर ने कहा कि 40 साल में देश-विदेश के सुनामी, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थितियों में मानवता की सेवा की और समाजसेवा के क्षेत्र के तहत कार्य करने के लिए उनकी प्रेरणा स्त्रोत रही। उनकी पत्नी रेणु छिब्बर, बेटे पवन छिब्बर, पुत्रवधु प्रीति छिब्बर, पौत्र अमृतांश और पौत्री अगन्या का भी अहम योगदान है।

जीडी छिब्बर डॉक्टर ऑफ ह्यूमिनिटी की उपाधि से सम्मानित

नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी डॉक्टर ऑफ ह्यूमिनिटी की उपाधि से सम्मानित अम्बाला के उद्योगपति जीडी छिब्बर अपने परिवार के साथा। -हप

अम्बाला शहर (हप्र/निस) : अम्बाला के उद्योगपति एवं समाजसेवी भाई गुरुदेव दत्त छिब्बर को नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी ने डॉक्टर ऑफ ह्यूमिनिटी की उपाधि से सम्मानित किया है। उनको यह सम्मान कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाइयों की आपूर्ति करके अनेक बहुमूल्य जिंदगियों को बचा कर मानवता की महान सेवा करने के लिए दिया गया है। उन्हें बौद्धलोक मावठा कोलंबो, श्रीलंका स्थित भंडारनायके मेमोरियल इंटरनेशनल कांफ्रेंस हॉल में आयोजित भव्य समारोह में इस उपाधि से सम्मानित किया गया। उनको मिले सम्मान से देश, प्रदेश व जिला का गौरव बढ़ा है। आज आयोजित पत्रकार वार्ता में गुरुदेव दत्त छिब्बर ने बताया कि भविष्य में वे इसी प्रकार आपदा के समय में पूरे विश्व में मानवता की सेवा के अपने मिशन को जारी रखेंगे।

दैनिक ट्रिब्यून Mon, 13 February 2023
https://epaper.dainiktribuneon

कोरोना में सस्ती दवाएं देकर बने मिसाल, श्रीलंका में मिली उपाधि

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबाला। कोविड के समय में दवाओं की भारी मांग के बीच विदेशी कारोबारी मोटा मुनाफा कमा रहे थे। इस बीच भारत के साथ-साथ करीब 30 देशों में संक्रमण से लड़ने की सस्ती दवाएं देकर अंबाला के उद्योगपति और समाजसेवी डॉ. गुरुदेव दत्त छिब्बर ने एक मिसाल कायम की।

यही कारण है कि गुरुदेव दत्त छिब्बर को श्रीलंका की नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी उन्हें विश्व के सबसे प्रतिष्ठि सम्मान डॉक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित किया है।

वह फार्मा कंपनी मेक्लीन एंड अरगस फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के संस्थापक चेयरमैन हैं। उन्हें यह पुरस्कार नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से बौद्ध लोक मावठा कोलंबो श्रीलंका स्थित भंडारनायके मेमोरियल इंटरनेशनल कांफ्रेंस हाल में चार फरवरी को आयोजित भव्य समारोह में मिला।

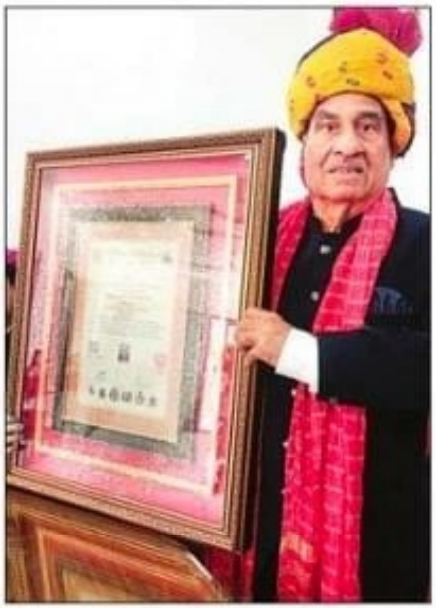

पुरस्कार दिखाते डॉ. गुरुदेव दत्त छिब्बर। संवाद

20 से 30 देशों में कर चुके हैं दवा की सप्लाई

बता दें कि उन्हें 1996 और 1997 में आयकर विभाग की ओर से सबसे ज्यादा इनकम टैक्स देने के लिए सम्मान पत्र दिया था। रविवार को उनके निवास पर ब्राह्मण समाज की अलग-अलग संस्थाओं ने सम्मानित किया।

इंडिया से दूसरे नंबर पर मिली थी अनुमति : डॉ. गुरुदेव ने बताया कि एड्स, हेपेटाइटिस बी और सी, स्वाइन फ्लू में दी जाने वाले दवाएं बनाते हैं। इसके अलावा कोरोना में डब्ल्यू एचओ की गाइड लाइन के मुताबिक लोपिनाविर एंड राइटैनोवीर कंबोनेशन विदेशों में भेजा।

फिर उनकी तरफ फैवीप्रवीर नामक दवा देने की अनुमति दी। पूरे देश में उनकी दूसरी कंपनी थी, जिसे एफडीए फूड एंड ड्रग्स एडमिस्ट्रेशन से एक्सपोर्ट करने की अनुमति मिली। विदेशों में बनने वाली दवाओं से बहुत कम दामों में इसे अंबाला से भेजा। अफ्रीका सहित 20 से 30 देशों में यह दवा गई थी।

40 सालों में भूस्खलन, बाढ़ और सुनामी में भी थे मददगार

डॉ. गुरुदेव दत्त छिब्बर ने कहा कि बीते 40 वर्षों में देश विदेश के आपदा समय सुनामी, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थितियों में मानवता की बढ़-चढ़कर सेवा की है। इसमें उनके परिवार यानी पत्नी रेणु छिब्बर, सुपुत्र पवन छिब्बर, पुत्रवधु प्रीति छिब्बर की अहम भूमिका रही है। 1972 में रेनबैक्सी में बतौर एमआर काम किया। सात साल काम करने के बाद 1979 में अपनी खुद की फैक्टरी बनाई। पहले बाइक व कारों सप्लाई कर पूरे देश में सप्लाई किया। 1995 में यूक्रेन को 23 लाख डॉलर का चावल का निर्यात किया था। तब से लेकर आज तक कभी भी बैंक से एक पैसा लोन नहीं लिया।

पाकिस्तान में बनी थी भाई मतिदास जी की समाधि

पाकिस्तान के गांव करियाला झेलम में भाई मतिदास जी की समाधि बनी थी। वहां से पत्थर और धूल मंगाकर अंबाला कैंट के रामपुर सरसेहड़ी स्थित अपनी फैक्टरी में भी दो समाधि बनाई हैं। एक समाधि बाबा प्रागा जी जोकि 137 साल की उम्र में मुगलों से लड़ाई करते हुए शहीद हुए थे। जबकि भाई मतिदास जी को 9वें सिख गुरु तेग बहादुर के साथ दिल्ली के चांदनी चौक में आरे से चिरवाया गया। उनकी समाधि अपनी फैक्टरी बनाई है। इसके अलावा फैक्टरी में एक महालक्ष्मी का भी भव्य मंदिर बनाया है। इसमें आठ फीट की काले पत्थर की प्रतिमा लगाई है। जोकि बंग्लूरू के आगे कलोल से मंगाई गई थी।

सत्य–निडर एवं निष्पक्ष हिन्दी सांध्य दैनिक

उभरता हरियाणा

मुख्य सम्पादक : लोकेश दत्त मेहता

आर.एन.आई. रजि. नं. 51558/93 पोस्टल रजि. नं. HR/AB/106/21-23

वर्ष : 31, अंक : 41 रविवार, 12 फरवरी 2023 e-mail : pressubh@gmail.com पेज : 8, मूल्य : 1 रुपये

अम्बाला के प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी भाई गुरूदेव दत्त छिब्बर डाक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित

उभरता हरियाणा, अम्बाला (लोकेश दत मेहता) उद्योगपति एवं समाजसेवी भाई गुरूदेव दत्त छिब्बर ने कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाईयों की आपूर्ति करके अनेक बहुमूल्य जिंदगियों को बचा कर मानवता की महान सेवा की है। उनके इस अभूतपूर्व योगदान के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी उन्हें डाक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित किया गया है और भविष्य में वे इसी प्रकार आपदा के समय में पूरे विश्व में मानवता की सेवा के अपने मिशन को जारी रखेंगे। यह जानकारी गुरूदेव दत्त छिब्बर ने आज आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान दी। इस उपाधि को मिलने पर वह अपने आप को गौरवांतित महसूस कर रहे हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रहम वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष जंगशेर शर्मा व अन्य ब्राहमण सभा के पदाधिकारियों ने गुरूदेव दत्त छिब्बर को पगड़ी व भगवान परशुराम का परसा देकर उनका अभिनंदन भी किया।

यहां बता दें कि फार्मा कंपनी मैक्लीन एंड अर्गस फार्मास्यूटिकल्स लिमिटिड के संस्थापक चेयरमैन पद पर विराजमान अम्बाला के प्रसिद्ध उद्योगपति भाई गुरूदेव दत्त छिब्बर को नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से विश्व के सबसे प्रतिष्ठित

सम्मान डाक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी उपाधि 2023 से नवाजा गया है। उन्हें नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से बौद्धलोक मावठा कोलंबो श्रीलंका स्थित भंडारनायके मैमोरियल इंटरनेशनल कान्फ्रैंस हाल में आयोजित भव्य समारोह में भाई गुरूदेव दत्त छिब्बर को डाक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से नवाजा गया।

इस अवसर पर उद्योगपति गुरूदेव दत्त छिब्बर ने डाक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित करने के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बीते 40 वर्षों में देश विदेश के आपदाकाल सुनामी, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थितियों में मानवता की बढ़-चढकर सेवा की है और समाजसेवा के क्षेत्र के तहत कार्य करने के लिए उनकी प्रेरणास्त्रोत रही उनकी जीवनसंगिनी रेणु छिब्बर, सुपुत्र पवन छिब्बर, पुत्रवधु प्रीति छिब्बर, पौत्र अमृतांश और पौत्री अगन्या का भी अहम योगदान है।

उन्होंने अपने जीवन परिचय के बारे में बताते हुए कहा कि आज उनके लिए बड़ा ही खुशी का दिन है, उनके परिवार में डाक्टर की उपाधि पाने वाले पहले वह पारिवारिक सदस्य हैं। उन्होने यह भी बताया कि डाक्टर बनने का सपना उनका बचपन से ही था। उनका परिवार भी चाहता था कि वह डाक्टर बनें लेकिन किन्ही कारणों के चलते हुए वह ड क्टर नही बन पाए थे। उन्होंने लगभग 18 साल 3 महीने की उम्र में लगभग 7 वर्ष रनबैक्सी कंपनी में मैडिकल रिप्रैंजटेटिव के तौर पर कार्य किया और उस कार्य को पूरी लग्न व मेहनत के साथ किया। उनके मन में आया कि यदि हम दवाईयां बेचते हैं तो क्यों न इसकी शुरूआत हम यहीं से करें।

उन्होने यह भी बताया कि 1997 में मात्र 5 हजार रूपये जब उनके पास थे तो उनके साथियों के सहयोग से उन्होंने मैडिकल लाईन में कार्य शुरू किया और भगवान की कृपा से आज उनके यहां जो दवाईयां बनाई जाती है उन्हें बाहर भेजने का काम किया जाता है। उन्होने यह भी बताया कि उनके मन में डाक्टर बनने की प्रबल इच्छा थी।कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाईयों की आपूर्ति करके अनेक बहुमूल्य जिंदगियों को बचा कर मानवता की महान सेवा की है। उनके इस अभूतपूर्व योगदान के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी उन्हें डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी की उपाधि मिलने पर उनका यह सपना पूरा हो गया है। इस उपाधि को मिलने पर वे अपने आप को काफी गौरवांतित महसूस करते हैं। कोलंबो में आयोजित सैरामनी में पारिवारिक सदस्यों की उपस्थिति में उन्हें जो यह उपाधि मिली है उसकी वीडियो भी प्रेसवार्ता में दिखाई गई।

2 लोगों का मर्डर, व्यक्ति की परने से गला घोंटकर हत्या, युवक को मारने के बाद खेतों में फेंका

उभरता हरियाणा, अम्बाला (लोकेश

बाहर निकली हुई थी। शव के पास

मुलाना में युवक की हत्या, खेतों

12:59 86%

अजीत समाचार चंडीगढ़

भाई गुरुदेव दत्त छिब्बर को डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी उपाधि से नवाज़ा

कोलम्बो में नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी जीडी छिब्बर को डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित करते हुए।

अंबाला, 12 फरवरी (अग्रवाल): उद्योगपति एवं समाजसेवी गुरुदेव दत्त छिब्बर ने कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाईयों की आपूर्ति करके अनेक बहुमूल्य जिंदगियों को बचा कर मानवता की महान सेवा की है। उनके इस अभूतपूर्व योगदान के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी उन्हें डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित किया गया है और भविष्य में वे इसी प्रकार आपदा के समय में पूरे विश्व में मानवता की सेवा के अपने मिशन को जारी रखेंगे। यह जानकारी गुरुदेव दत्त छिब्बर ने आज आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान दी। इस उपाधि को मिलने पर वह अपने आप को गौरवांवित महसूस कर रहे हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रह्म वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष जंगशेर शर्मा व अन्य ब्राह्मण सभा के पदाधिकारियों ने गुरुदेव दत्त छिब्बर को पगड़ी व भगवान परशुराम का परसा देकर उनका अभिनंदन भी किया। यहां बता दें कि फार्मा कंपनी मैक्लीन एंड अर्गस फार्मास्युटिकल्स लिमिटिड के संस्थापक चेयरमैन पद पर विराजमान अंबाला के प्रसिद्ध उद्योगपति भाई गुरुदेव दत्त छिब्बर को नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से विश्व के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी उपाधि 2023 से नवाजा गया है। उन्हें नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से बौद्धलोक मावटा कोलंबो श्रीलंका स्थित भंडारनायके मैमोरियल इंटरनेशनल कांफ्रेंस हाल में आयोजित भव्य समारोह में भाई गुरुदेव दत्त छिब्बर को डाक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से नवाजा गया। इस अवसर पर उद्योगपति गुरुदेव दत्त छिब्बर ने डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित करने के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बीते 40 वर्षों में देश विदेश के आपदाकाल सुनामी, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थितियों में मानवता की बढ़-चढ़कर सेवा की है और समाजसेवा के क्षेत्र के तहत कार्य करने के लिए उनकी प्रेरणास्त्रोत रही। उनकी जीवनसंगिनी रेणु छिब्बर, पुत्र पवन छिब्बर, पुत्रवधु प्रीति छिब्बर, पौत्र अमृतांश और पौत्री अगन्या का भी अहम योगदान है। उन्होंने अपने जीवन परिचय के बारे में बताते हुए कहा कि आज उनके लिए बड़ा ही खुशी का दिन है। उनके परिवार में डाक्टर की उपाधि पाने वाले वे पहले पारिवारिक सदस्य हैं। उन्होने बताया कि डाक्टर बनने का सपना उनका बचपन से ही था। कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाईयों की आपूर्ति करके अनेक बहुमूल्य जिंदगियों को बचा कर मानवता की महान सेवा की है।

शाहाबाद : मिस सतलुज व मिस्टर सतलुज के साथ प्रधानाचार्य व अन्य।

भावना को मिस सतलुज व हिमांशु कुश को मिस्टर सतलुज के खिताब से नवाज़ा

शाहाबाद मारकंडा, 12 फरवरी (विजय कुमार) : सतलुज स्कूल के प्रांगण में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को विदाई पार्टी दी गई। पार्टी में सभी विद्यार्थियों को तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन द्वारा की गई। इस मौके पर स्कूल प्रधानाचार्य डॉ. आरएस घुम्मन ने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिये ... अवसर पर बच्चों ने ग्रुप डांस, कविता गायन, गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस विदाई पार्टी में कक्षा 12वीं की आर्ट्स से भावना को मिस सतलुज व कक्षा 12वीं कॉमर्स से हिमांशु कुश को मिस्टर सतलुज के खिताब से नवाजा इसके साथ-साथ अलीशा को मिस ईव व भूपति मिस्टर ईव, जान्वी को मिस चार्मिंग व वंश को मिस्टर चार्मिंग, आकांक्षा को ...

पानीपत शुगर मिल में अभी तक 35.21 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई

पानीपत, 12 फरवरी (बिजेंद्र सिंह) : पानीपत का सहकारी शुगर मिल अपनी 50 हजार क्विंटल रोजाना पिराई क्षमता पर चल रहा है। मिल में रोजाना 50 हजार क्विंटल से भी ज्यादा गन्ने की पिराई हो रही है। पानीपत शुगर मिल में रविवार सुबह 6 बजे तक 35.21 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई हो चुकी है। मिल के पिराई सत्र का शुभारंभ 15 नवंबर को सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने किया था। वहीं शुगर मिल की 28 मेगावाट क्षमता की टरबाईन द्वारा रोजाना 22 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। जिसमें से शुगर मिल को चलाने के लिये 8 मेगावाट बिजली यूज हो रही है और बाकि 14 मेगावाट बिजली एचवीपीएन के नौल्था पॉवर हाउस को सप्लाई की जा रही है। डाहर शुगर मिल के पॉवर सब स्टेशन से रविवार सुबह 6 बजे तक 1.55 करोड़ यूनिट बिजली नौल्था पॉवर को सप्लाई की जा चुकी है। वहीं पानीपत शुगर

दैनिक भास्कर 4
पानीपत, सोमवार, 13 फरवरी, 2023

गुरुदेव को मिली डॉक्टर ऑफ ह्यूमेनिटी की उपाधि

अम्बाला | उद्योगपति एवं समाजसेवी गुरुदेव दत्त छिब्बर ने कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाइयों की आपूर्ति कर कई बहुमूल्य जिंदगियों को बचाकर मानवता की सेवा की। उनके इस योगदान के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी ने बौद्ध लोक मावठा कोलंबो में उन्हें डॉक्टर ऑफ ह्यूमेनिटी की उपाधि से सम्मानित किया। छिब्बर ने कहा कि वह विश्व में मानवता की सेवा के अपने मिशन को जारी रखेंगे। ये जानकारी गुरुदेव दत्त छिब्बर ने रविवार को पत्रकारवार्ता में दी। फार्मा कंपनी मैक्लीन एंड अर्गस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के संस्थापक एवं चेयरमैन छिब्बर ने कहा कि 40 साल में देश-विदेश के सुनामी, भूस्खलन और बाढ़ जैसी

आपातकालीन स्थितियों में मानवता की सेवा की और समाजसेवा के क्षेत्र के तहत कार्य करने के लिए उनकी प्रेरणा स्त्रोत रही। उनकी पत्नी रेणु छिब्बर, बेटे पवन छिब्बर, पुत्रवधु प्रीति छिब्बर, पौत्र अमृतांश और पौत्री अगन्या का भी अहम योगदान है।

अम्बाला केसरी
www.punjabkesari.in

उद्योगपति जी.डी. छिब्बर को डाक्टर ऑफ हयूमैनिटी की उपाधि से नवाजा

अम्बाला छावनी, 12 फरवरी (मनीष): उद्योगपति एवं समाजसेवी भाई गुरुदेव दत्त छिब्बर ने कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाईयों की आपूर्ति करके अनेक बहुमूल्य जिंदगियों को बचाकर मानवता की महान सेवा की है। उनके इस अभूतपूर्व योगदान के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी ने उन्हें डाक्टर ऑफ हयूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

इस उपाधि को मिलने पर वह अपने आपको गौरवांतित महसूस कर रहे हैं। गुरुदेव दत्त छिब्बर ने कहा कि भविष्य में वे इसी प्रकार आपदा के समय में पूरे विश्व में मानवता की सेवा के अपने मिशन को जारी रखेंगे।

इस मौके पर राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रह्मवाहिनी के प्रदेशाध्यक्ष जंगशेर शर्मा व अन्य ब्राह्मण सभा के

उद्योगपति एवं समाजसेवी भाई गुरुदेव दत्त छिब्बर का सम्मान करते हुए। (चंद्रमोहन)

पदाधिकारियों ने गुरुदेव दत्त छिब्बर को पगड़ी व भगवान परशुराम का परसा देकर उनका अभिनंदन भी किया। उद्योगपति भाई गुरुदेव दत्त छिब्बर को नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से विश्व के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान डाक्टर ऑफ हयूमैनिटी उपाधि 2023 से नवाजा गया है।

बता दें कि उन्होंने बीते 40 वर्षों में देश विदेश के आपदाकाल सुनामी, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थितियों में मानवता की बढ़-चढ़कर सेवा की है।

जागरण सिटी अंबाला

जीडी छिब्बर को नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी से डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी की उपाधि मिली

जागरण संवाददाता, अंबाला : अंबाला के उद्योगपति गुरुदेव दत्त छिब्बर को नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी उपाधि से सम्मानित किया है। यह सम्मान उनको बौद्धलोक मावठा कोलंबो श्रीलंका स्थित भंडारनायके मेमोरियल इंटरनेशनल कांफेंस हाल में आयोजित समारोह के दौरान प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि छिब्बर ने कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाईयों की आपूर्ति की थी। अंबाला कैंट में राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रह्मवाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष जंगशेर शर्मा व अन्य ब्राहमण सभा के पदाधिकारियों ने गुरुदेव दत्त छिब्बर को पगड़ी व भगवान परशुराम का फरसा देकर उनका अभिनंदन किया।

जीडी छिब्बर, कारोबारी अंबाला

5 हजार रुपये से शुरू की थी कंपनी : जीडी छिब्बर ने बताया कि साल 1997 में उन्होंने मात्र 5 हजार रुपये से अपनी कंपनी को शुरू किया था। इस में उनके साथियों ने भी सहयोग किया। उनकी इच्छा थी कि वे डाक्टर बनें, लेकिन दवा निर्माण में उतर आए। धीरे-धीरे उनकी कंपनियों की बनी दवाइयों की मांग भी बाजार में होने लगी। अब देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अंबाला से बनी दवाइयों की आपूर्ति की जाती है। कोरोना काल में तो काफी मात्रा में दवाइयां विदेशों तक सप्लाई की गई।

यह है नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी : उन्होंने बताया कि नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी का विजन एचीवर्स और चैलेंजर्स के कौशल, ज्ञान, क्षमता और योग्यता को अपग्रेड करने के लिए मानव संसाधन के विकास पर फोकस है। अचीवर्स आफ चैलेंजर्स के बेहतर प्रबंधन, कुशल और प्रभावी कार्यान्वयन को सक्षम करना है। मानव कल्याण और प्रतिष्ठा को लाभ पहुंचाने वाले नेताओं की सराहना करना और उन्हे प्रोत्साहित करना है। नए सामाजिक प्रतिमान विकसित करने के लिए जिसके अंतर्गत व्यापक योजनाओं एवं समुदायों के बेहतर और आदर्श जीवन का निर्माण कर सकती हैं, जिनके साथ वे काम करते हैं।

कंपनी के संस्थापक है छिब्बर : जीडी छिब्बर फार्मा कंपनी मैक्लीन एंड अर्गस फार्मास्यूटिकल्स लिमिटिड के संस्थापक चेयरमैन हैं। वे देश ही नहीं विदेशों में भी दवाइयों को सप्लाई करते हैं। उनकी पत्नी रेणु छिब्बर, बेटे पवन छिब्बर, पुत्रवधु प्रीति छिब्बर, पोते अमृतांश और पोती अगन्या ने भी इस कार्य में सहयोग किया। छिब्बर ने बताया कि परिवार में वे पहले हैं, जिनको डाक्टर की उपाधि मिली है।